



कार्यालय सचिवालय

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

International Council of Religions

वेबसाइट: www.icr-int.org

Ref No.: - ICR/2025/68293

Dated: - 11/11/2025

अधिसूचना

विषय: 21वीं सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक विखंडन, युद्ध संकट एवं वैचारिक ध्रुवीकरण के निवारण हेतु परिषद के सर्वोच्च मार्गदर्शक विजन-दस्तावेज 'सर्वधर्म चेतना: वैश्विक शांति और मानव एकता की नई दिशा' (Universal Interfaith Consciousness: A New Paradigm for Global Peace and Human Unity) का आधिकारिक विधिक विमोचन, वैचारिक अंगीकरण तथा 10-वर्षीय वैश्विक शांति रोडमैप (2026-2035) के क्रियान्वयन संबंधी अधिसूचना।

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद के संविधान के अनुच्छेद 1 (सर्वोच्च शांति अधिदेश), अनुच्छेद 4 (सार्वभौमिक आध्यात्मिक चेतना), संयुक्त राष्ट्र चार्टर के शांति एवं सुरक्षा उपबंधों तथा शासी निकाय (Governing Council) एवं 'विश्व सर्वधर्म महासम्मेलन' के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा पारित सर्वसम्मत संकल्प संख्या SC-39/2025 के अनुसरण में, **मानव जाति को संकीर्ण मजहबी दीवारों से ऊपर उठाकर वैश्विक एकात्मता, करुणा एवं स्थायी शांति की ओर अग्रसर करने वाले मार्गदर्शक विजन 'सर्वधर्म चेतना: वैश्विक शांति और मानव एकता की नई दिशा' को एतद्वारा विधिक रूप से अंगीकृत, प्रख्यापित एवं वैश्विक स्तर पर अधिसूचित किया जाता है।**

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं विधिक उद्देश्य

- 1.1 यह अधिसूचना 'अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद (सर्वधर्म चेतना एवं वैश्विक शांति विजन) अधिसूचना, 2025' कहलाएगी।
- 1.2 यह विधिक विजन-दस्तावेज परिषद के समस्त 162 सदस्य राष्ट्रों, 6 क्षेत्रीय संभागों, राष्ट्रीय शाखाओं, शैक्षणिक परिसरों, आध्यात्मिक केंद्रों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोगी संगठनों पर तत्काल प्रभाव से आगामी दशक (2026-2035) हेतु स्थायी रूप से लागू होगा।
- 1.3 इस अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य 'सर्वधर्म चेतना' को केवल एक दार्शनिक विचार न रखकर उसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, शिक्षा, पर्यावरण नीति एवं जमीनी सामुदायिक समरसता का सक्रिय मार्गदर्शक सिद्धांत बनाना है।

2. 'सर्वधर्म चेतना' का सैद्धांतिक एवं दार्शनिक अधिष्ठान

परिषद यह दृढ़ता से प्रतिपादित करती है कि 'सर्वधर्म चेतना' किसी नवीन धर्म की रचना नहीं है, अपितु समस्त धर्मों की उस अंतर्निहित मूल चेतना की पहचान है जो मानवता को जोड़ती है:

1. आंतरिक चेतना की एकात्मता

- समस्त मानवीय आत्माओं का मूल स्रोत एक ही परम सत्य है। बाह्य रीतियां, परिधान, भाषाएं और उपासना विधियां विविध हो सकती हैं, किंतु अंतःकरण में प्रवाहित प्रेम, सत्य और करुणा की धारा अखंड है।

II. मजहबी एकाधिकारवाद का विधिक अस्वीकार

- यह मान्यता कि 'केवल मेरा मार्ग ही सत्य है और अन्य सभी असत्य हैं', वैश्विक संघर्षों की मूल जड़ है। सर्वधर्म चेतना यह स्थापित करती है कि सत्य अनंत है और प्रत्येक धर्म उस परम सत्य का एक अनूठा व मूल्यवान परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है।

III. धर्म का मूल उद्देश्य- आत्म-रूपांतरण एवं लोक-कल्याण:

- धर्म का प्रयोजन शक्ति-प्रदर्शन, भूमि-विस्तार अथवा मतांतरण नहीं, अपितु मनुष्य के भीतर से काम, क्रोध, लोभ व द्वेष को समाप्त कर उसे 'विश्व-नागरिक' (Global Citizen) के रूप में रूपांतरित करना है।

3. 'वैश्विक शांति एवं मानव एकता' हेतु सप्त-सूत्रीय विधिक रोडमैप

इस नई दिशा को वैश्विक व्यवस्था में स्थापित करने हेतु परिषद निम्नलिखित 7 रणनीतिक कार्यस्तंभों को अधिसूचित करती है:

स्तंभ 1: 'आध्यात्मिक कूटनीति'

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं अंतरराष्ट्रीय संसदों में 'सर्वधर्म शांति दूत मंडल' की संस्थागत भागीदारी सुनिश्चित करना, जिससे भू-राजनीतिक संघर्षों में आध्यात्मिक मध्यस्थता की जा सके।

स्तंभ 2: वैश्विक निरस्त्रीकरण एवं युद्ध-मुक्त विश्व का संकल्प:

- समस्त सदस्य राष्ट्रों के धर्मगुरुओं द्वारा सामूहिक रूप से परमाणु, रासायनिक व जैविक हथियारों के पूर्ण उन्मूलन हेतु वैश्विक जनजागरण अभियान चलाना।

स्तंभ 3: 'सर्वधर्म चेतना शिक्षा' का वैश्विक प्रसार:

- प्राथमिक से उच्च शिक्षा स्तर तक के पाठ्यक्रमों में तुलनात्मक धर्मशास्त्र, नैतिक मूल्य, सहानुभूति (Empathy) एवं पूर्वाग्रह-मुक्ति मॉड्यूल का अनिवार्य समावेश।

स्तंभ 4: 'डिजिटल सौहार्द एवं साइबर शांति आचार संहिता':

- सोशल मीडिया व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के मंचों पर धार्मिक ध्रुवीकरण, डीपफेक व घृणा-प्रचार के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता तंत्र को विधिक रूप से लागू करना।

स्तंभ 5: पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु न्याय

- प्रकृति को ईश्वरीय चैतन्य मानकर उपासना स्थलों को 'नेट-जीरो ग्रीन सैक्चुररी' में परिवर्तित करना एवं वैश्विक वनीकरण को आध्यात्मिक कर्तव्य बनाना।

स्तंभ 6: गरीबी उन्मूलन एवं साझा मानवतावादी सेवा:

- विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के वित्तीय व सामाजिक संसाधनों का एकीकरण कर भुखमरी, महामारी व आपदा पीड़ितों की बिना किसी भेदभाव के निःस्वार्थ सेवा।

स्तंभ 7: 'सार्वभौमिक मानव परिवार मंच'

- प्रत्येक नगर एवं ग्राम स्तर पर 'सर्वधर्म शांति चौपाल' का गठन, जहाँ सभी संप्रदायों के नागरिक मिलकर स्थानीय समस्याओं का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालें।

4. दशक 2026-2035: 'वैश्विक सर्वधर्म चेतना दशक'

4.1 शासी निकाय द्वारा आधिकारिक रूप से **वर्ष 2026 से 2035** की कालावधि को **वैश्विक सर्वधर्म चेतना एवं मानव एकता दशक** (Decade of Global Interfaith Consciousness 2026–2035) के रूप में घोषित किया जाता है।

4.2 इस 10-वर्षीय कालावधि के अंतर्गत विश्व भर के 100 करोड़ (1 Billion) नागरिकों को 'सर्वधर्म चेतना अभियान' से प्रत्यक्ष व डिजिटल रूप से जोड़ने का विधिक लक्ष्य विहित किया गया है।

भवदीय,



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

दिनांक: 11/11/2025



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद